सक्सेस मिरर

वर्ष : 10
अंक : 114
जुलाई : 2019

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

8 | सम्पादकीय
9 | समसामयिकी घटना संग्रह
10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

18 | आर्थिक घटना संग्रह

- इराक 2018-19 में भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना
- ईपीएफ ब्याज दर में 8·65 प्रतिशत वृद्धि
- आरबीआई ने कैश–लाइट सोसायटी भुगतान प्रणाली के लिए विजन 2021 जारी किया

22 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- 17वीं लोक सभा के चुनाव में भाजपा को मिला पूर्ण बहुमत
- राष्ट्रपति ने सुप्रीम कोर्ट में चार जजों की नियुक्ति को मंजूरी दी
- लोकपाल वेबसाइट लॉन्च की गई

26 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत के उपराष्ट्रपति की वियतनाम की आधिकारिक यात्रा
- टाइम मैगजीन के 100 प्रभावशाली लोगों में भारत के मुकेश अंबानी भी शुमार
- श्रीलंका सरकार ने बुर्के पर लगाया बैन

29 | खेल खिलाड़ी

- विश्व की पहली एकमात्र महिला क्रिकेट पत्रिका 'क्रिकजोन' का विमोचन
- मुम्बई इंडियन्स ने जीता आईपीएल 2019 का खिताब
- सुरेश रैना IPL में 100 कैच लेने वाले पहले खिलाड़ी
- कुमार संगकारा बने मेरीलिबोन क्रिकेट क्लब के पहले गैर–ब्रिटिश अध्यक्ष
- सना मीर वनडे में सर्वाधिक विकेट लेने वाली स्पिनर बनीं.

33 | विज्ञान समाचार
35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | **प्रौद्योगिकी लेख**–इलेक्ट्रॉनिक इंटेलीजेंस को मजबूत करेगा एमिसैट
39 | **कैरियर लेख**–कर्म द्वारा ही→जिन्दगी आपकी→एवं→ सफलता भी
41 | **कृषि लेख**–जैविक खेती : खाद्य सुरक्षा की सुनिश्चितता
78 | **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
80 | **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-111 का परिणाम**
82 | **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

43 | **एस.एस.सी. संयुक्त हायर सेकण्डरी लेवल (10+2) परीक्षा, 2017**
50 | **एस.एस.सी. मल्टी टास्किंग (गैर-तकनीकी) स्टाफ परीक्षा, 2017**
56 | **आर.आर.बी. लेवल-1 ग्रुप 'डी' कम्प्यूटर आधारित परीक्षा, 2018**
आई.बी.पी.एस. बैंक लिपिकीय संवर्ग प्रा. परीक्षा, 2018
63 | **तर्कशक्ति**
66 | **English Language**
69 | **संख्यात्मक अभिरुचि**
73 | **आगामी उत्तराखण्ड समूह 'ग' भर्ती परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक** : महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस** : 2/11ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844, 43259035

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2303340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
H-3, ब्लॉक-B, म्यूनिसिपल प्रीमिसेस No. 15/2, गालिफ स्ट्रीट, पी.एस. श्यामपुकुर,
कोलकाता– 700 003 (W.B.)
फोन– 033-25551510

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
16-11-23/37, मूसारामबाग, टीगन गुडा
आर.टी.ए. ऑफिस के सामने मेन रोड
(आन्ध्रा बैंक के बगल में), हैदराबाद–500 036
(तेलंगाना) फोन– 040-24557283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
30-31, जिन्सी हाट मैदान,
बाबा रामदेव मंदिर के निकट
मलहारगंज
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
मो– 09370877776

सम्पादकीय

बड़ा बनने के लिए छोटे काम को बड़ा समझिए

कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता. महत्वपूर्ण यह है कि किसी कार्य को कितनी परिपूर्णता और मनोयोग से किया जाए. यदि पानी की बूँद ही नहीं होगी, तो सागर और महासागर कहाँ से बनेंगे. यदि परमाणु नहीं होगा, तो अणु कैसे बनेगा. यदि कोशिका नहीं होगी, तो शरीर कैसे बनेगा. यही तथ्य जीवन पर भी लागू होता है. कोई व्यक्ति जन्म से ही महान् नहीं होता. उसके छोटे-छोटे, किन्तु सफल प्रयास ही उसे महान् बनाते हैं.

> *Great acts are made up of small deeds.* —**Lao Tzu**

हम महान् व्यक्तियों के जीवन में यह एक सामान्य बात पाएंगे कि वे प्रत्येक कार्य को समान महत्व दिया करते हैं. उनकी मान्यता रहती है कि विश्व रूपी मशीन में प्रत्येक व्यक्ति एवं प्रत्येक कार्य का विशिष्ट महत्व रहता है, क्योंकि छोटा-सा पिन निकल जाने पर बड़े से बड़ा इंजन काम करना बन्द कर देता है. लोक व्यवहार का यह सूत्र सर्वविदित है–Take care of your pences, pounds will take care themselves. अर्थात् हम यदि पैसों की सँभाल करते रहेंगे, तो पौंड अपने आप सुरक्षित बने रहेंगे, जर्मनी के दार्शनिक कवि गेटे ने लिखा है कि हमारे निकटस्थ जो कर्तव्य है, उसमें स्वर्ग के द्वार की कुंजी लिपटी हुई है. उसका पालन निष्ठापूर्वक कीजिए, आप स्वर्ग की ओर एक कदम बढ़ जाएंगे. अतएव हमारा कर्तव्य है कि प्रस्तुत कर्तव्य के प्रति पूर्णनिष्ठा के साथ कार्यशील बनें, हम स्वर्ग की झलक पा जाएंगे.

हमें समझ लेना चाहिए कि स्वर्ग और नरक की परिकल्पना का कारण यह है कि व्यक्ति को भले और बुरे कर्मों के फलस्वरूप उत्पन्न होने वाले शुभाशुभ परिणामों का ज्ञान हो जाए. हम जान जाएं कि छोटे-छोटे कार्यों को सम्पन्न करने तथा सामान्य कर्तव्य पालन के साथ सुख-दुःख अछेद्य रूप से जुड़े रहते हैं. सुख-दुःख प्रदान करने की शक्ति कर्तव्य पालन में निहित नहीं रहती है. सुख-दुःख की अनुभूति कर्तव्य पालन के प्रति हमारी मानसिकता पर निर्भर रहती है. किसी दुखिया के आँसू पोंछकर आनन्द प्राप्त करने के लिए क्या यह आवश्यक है कि हम किसी राजपुरुष अथवा धनकुबेर के आँसुओं की प्रतीक्षा करें ? सामने खड़े रोते बालक के आँसुओं को पोंछकर जो व्यक्ति सुख का अनुभव नहीं करता है, वह किसी लखपति व्यक्ति के आँसू पोंछने में सुखानुभूति न करके उससे पुरस्कृत होने की आशा करेगा. किसी छोटी कक्षा का छात्र यदि आपसे यह कहे कि मैं इस समय पढ़ाई नहीं करना चाहता हूँ, क्योंकि मुझे एम. ए. की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करनी है तो आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी ? आप निश्चित रूप से उस बालक को मूर्ख अथवा व्यर्थ की महत्वाकांक्षा वाला व्यक्ति समझेंगे हमारे परमप्रभु भी हमको ऐसा ही समझेंगे यदि हम किसी काम को छोटा अथवा महत्वहीन समझकर नहीं करते हैं अथवा अधूरे मन से करते हैं.

विश्व की प्रत्येक वस्तु का निर्माण अणुओं और परमाणुओं द्वारा होता है. हमारे जीवन का निर्माण भी छोटी-छोटी बातों द्वारा होता है, जो व्यक्ति जरा-जरा सी बात में झूठ बोलते हुए यह तर्क देने लगे कि सत्य जैसी श्रेष्ठ वस्तु को किसी महान् अवसर के लिए सुरक्षित रख रहा हूँ, तो आप उस व्यक्ति को क्या समझेंगे ? वही विद्यार्थी सफल होता है जो प्रत्येक जानकारी को महत्वपूर्ण एवं उपयोगी समझकर आत्मसात् करता है. यदि दो का पहाड़ा याद न होगा, तो बाईस का पहाड़ा क्योंकर याद हो सकेगा. बूँद-बूँद करके घड़ा भर जाता है. यदि बूँद की उपेक्षा की जाएगी, तो घड़े को किस प्रकार भरा जा सकेगा ? ज्ञानार्जन एक अखण्ड रस है. उसके सन्दर्भ में महत्व का श्रेणी विभाजन मात्र बालप्रयास ही कहा जाएगा. किसी वस्तु को निर्दोष बताने के लिए उसके अवयवों का दोषहीन होना आवश्यक है. एक दार्शनिक का यह कथन मनन करने योग्य है कि धूल के कण के अभाव में विश्व की स्थिति सम्भव नहीं है. चूँकि धूल का कण अपने में पूर्ण है, इसीलिए विश्व अपने में पूर्ण है. लघु महान् का विनीत सेवक न होकर उसका स्वामी है. पृथ्वी की ओर किसी वस्तु का गिरना अन्य लोगों ने सामान्य घटना समझा. वे महान् नहीं बन सके. न्यूटन ने उसको अर्थगर्भित समझा, वह महान् बन गया. हम और आप भी यदि प्रत्येक कार्य को महत्वपूर्ण समझने की मानसिकता बना लेंगे, तो प्रत्येक वस्तु एवं प्रत्येक कार्य हमारा ज्ञानवर्धन करेगा और हमारे ज्ञान का भण्डार समृद्ध हो जाएगा. प्रत्येक महान् व्यक्ति ऐसा केवल इस कारण बन सका है, क्योंकि उसने प्रस्तुत कर्तव्य के पालन में आत्म तुष्टि का अनुभव किया था.